INDIA NON JUDICIAL

Government of Uttar Pradesh

e-Stamp

Certificate No.	:	IN-UP02042576730382V
Certificate Issued Date	:	30-Aug-2023 04:58 PM
Account Reference	:	NEWIMPACC (SV)/ up14161804/ PRAYAGRAJ SADAR/ UP-ALD
Unique Doc. Reference	:	SUBIN-UPUP14161804996635941847 64V
Purchased by	:	JANSEWA KALYAN SAMITI ANDAWA SARAI INAYAT PRJ
Description of Document	:	Article 4 Affidavit
Property Description	:	Not Applicable
Consideration Price (Rs.)	:	
First Party	:	JANSEWA KALYAN SAMITI ANDAWA SARAI INAYAT PRJ
Second Party	:	Not Applicable
Stamp Duty Paid By	:	JANSEWA KALYAN SAMITI ANDAWA SARAI INAYAT PRJ
Stamp Duty Amount(Rs.)	:	100 (One Hundred only)

PRAKASH JAISWAL
ACC Code UP14161804 ...
District Court, Prayagraj
Mob. ... 7624
District S... Prayagraj

NOTARY GOVT. OF U.P. NOTARIAL

30/8/23

Please write or type below this line

शपथ पत्र

हम द्वारिका प्रसाद सिंह एवं डा0 सूबेदार सिंह क्रमशः अध्यक्ष एवं सचिव जनसेवा कल्याण समिति अन्दावाँ, सरायइनायत, प्रयागराज शपथपूर्वक निम्नवत् बयान करते है–

1. यह कि, हमारी सोसाइटी जनसेवा कल्याण समिति अन्दावाँ, सरायइनायत, प्रयागराज नामक डिप्लोमा इन फार्मेसी संस्थान की स्थापना सत्र 2023–24 से किया जाना प्रस्तावित है।
2. यह कि, हमारी सोसाइटी जनसेवा कल्याण समिति के नाम ग्राम जयन्तीपुर, कौशाम्बी में गाटा संख्या 114,115,116,117,118,119मि0,130, एवं रकबा क्रमशः 0.0800, 0.0680, 0.0680, 0.1710, 0.0570, 0.3000, 0.0800 एवं कुल रकबा 0.8240 हेक्टेयर भूमि है।
3. यह कि, उपरोक्त भूमि पर किसी प्रकार का कोई भी वाद किसी भी न्यायालय में नही चल रहा है, और भूमि विवाद रहित है।
4. यह कि, उपरोक्त पते पर सोसाइटी के नाम उपलब्ध भूमि के गाटा संख्या 114,115,116,117,118,119मि0,130, एवं रकबा क्रमशः 0.0800, 0.0680, 0.0680, 0.1710, 0.0570, 0.3000, 0.0800 एवं कुल रकबा 0.8240 हेक्टेयर पर उपरोक्त नाम की डिप्लोमा इन फार्मेसी संस्थान की स्थापना किये जाने का प्रस्ताव सोसाइटी की बैठक दिनांक 10.01.2020 द्वारा पारित किया गया है।

Statutory Alert:

5. यह कि, उपरोक्त भूमि पर ही प्रश्नगत डिप्लोमा फार्मेसी संस्थान के संचालन हेतु भवनों का निर्माण अनुमोदन नक्शे के अनुसार किसा गया है।

6. यह कि, निरीक्षण समिति की समक्ष उपरोक्त पते पर सोसाइटी के नाम भूमि एवं उस पर निर्मित एवं निर्धारित भवनो को ही निरीक्षण समिति के समक्ष निरीक्षण हेतु प्रस्तुत किया गया है।

7. यह कि, इस भूमि एवं इस पर निर्मित भवनो पर फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के नियमों के अंतर्गत ही डिप्लोमा फार्मेसी संस्थान का ही संचालन किया जायेगा।

8. यह कि, इस संस्था में फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित एवं प्राविधिक शिक्षा परिषद् से सम्बद्ध पाठ्यक्रम एवं प्रवेश क्षमता के अनुसार ही पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

9. यह कि, उपरोक्त भूमि व इस पर निर्मित भवनों में फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली से अनुमोदित एवं प्राविधिक शिक्षा परिषद् उ0प्र0 लखनऊ से सम्बद्ध संस्था एवं पाठ्कमों के अतिरिक्त किसी अन्य परिषद/विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित/सम्बद्ध कोई अन्य संस्थान/विद्यालय/महाविद्यालय/आई0टी0आई0 आदि का संचालन न तो पूर्व में कभी किया गया है, और न ही भविष्य में कभी किया जायेगा।

10. यह कि, संस्थान के संचालन हेतु आवश्यक क्लास रूम, प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालाओं आदि को फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली एवं प्राविधिक शिक्षा परिषद के मानकों के अनुसार ही सुसज्जित किया जायेगा।

11. यह कि, संस्था के संचालन हेतु आवश्यक शैक्षिक एवं अशैक्षिक स्टाफ की तैनाती सोसाइटी द्वारा सत्र प्रारंभ के पूर्व कर लिया जायेगा।

12. यह कि, शासन/परिषद द्वारा निर्गत निर्देशों/आदेशों का भलीभांति पालन करूँगा। यदि मेरे संस्थान में किसी भी समय स्थलीय निरीक्षण में मानकानुसार कोई भी कमी पायी जाती है तो परिषद की निरीक्षण एवं सम्बद्धता समिति द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा। इस हेतु मेरे द्वारा कोई विधिक कार्यवाही नही की जाएगी।

13. मै घोषणा करता हूँ कि मेरे द्वारा दी गयी उपरोक्त सूचना मेरी निजी जानकारी में पूर्ण रूप से सत्य है। यदी दी गयी जानकारी एवं अभिलेख/दस्तावेज फर्जी, कूटरचित अथवा त्रुटिपूर्ण पाये जाते है तो मेरे विरूद्ध परिषद द्वारा नियमानुसार कानून संगत कार्यवाही की जा सकेगी। ऐसी की गयी विधिक कार्यवाही हेतु मै स्वयं उत्तरदायी होऊँगा।

ह0 सचिव

ह0 अध्यक्ष

SOLEMNLY AFFIRMED before me ... at A.M./P.M. by Sr. Smt. ... Ahanand Notre
Identified by Mr. ... Advocate to be his/her ... are true and correct Which is here by verified and attested

R.B. Singh
Advocate/Notary
Prayagraj

Identified by
Advocate
Prayagraj